ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-08-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-23	2023-08-24	2023-08-25	2023-08-26	2023-08-27
वर्षा (मिमी)	70.0	100.0	100.0	30.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	20.0	20.0	19.0	19.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	75	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	5	4	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	140	110	70	140	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	6	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 27 अगस्त तक 20-100 मिमी तक मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19.0 से 20.0 डिग्री सेल्सियस और 16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से 4.0-5.0 किमी/घंटा की गति से हवा चलेगी। अधिकांश स्थानों पर 22, 23, 24 और 25 अगस्त को हल्की से मध्यम बारिश/तूफान आने की संभावना है और कई स्थानों पर इसी तरह की स्थितियाँ 26 अगस्त 2023 को बनने का अनुमान है । चेतावनी: 23 और 24 अगस्त के लिए भारी से बहुत भारी बारिश के साथ बिजली/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर तीव्र बारिश की घटना के संबंध में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 22 और 25 अगस्त के लिए इसी तरह की स्थितियों के संबंध में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 26 अगस्त को ऐसे ही हालात रहने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

9 से 16 अगस्त तक साप्ताहिक औसत वर्षा सामान्य के मुकाबले 107.3 मिमी थी जो जिले में सामान्य वर्षा को दर्शाती है। एनडीवीआई कंपोजिट 0.05-0.25 के बीच था, इस प्रकार नंगी चट्टानों, बर्फ, बादलों आदि और मध्यम स्थिति के बीच कृषि शक्ति में भिन्नता देखी गई। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (Android उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें मदद मिलेगी कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेना।

लघु संदेश सलाहकार:

हल्की से भारी वर्षा का पूर्वानुमान है इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार प्रबंधित करने की आवश्यकता है और खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखने की आवश्यकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में कहीं-कहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रा नीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
रागी	फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और सभी कृषि गतिविधियों पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
गन्ना	मैदानी क्षेत्रों में, सफ़ेद गिडार/ कुरमुला कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 40 प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी को 200 ग्राम/प्रति एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में प्रयोग करें। जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और विशेष रूप से रासायनिक अनुप्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नॉल-खोल की अगेती किस्मों के साथ-साथ में जड़ वाली फसलें जैसे मूली और शलजम की रोपाई मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में की जा सकती हैं, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद ही क्युकी भरी बारिश का पूर्वानुमान है ।अनुमानित वर्षा के अनुसार उचित जल निकासी के उपाय किये जाने चाहिए।
बैंगन	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
शिमला मिर्च	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
सेम की फली	फ्रासबीन में सफेद सड़न की रोकथाम हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर का छिड़काव छिड़काव की जरूरत है लेकिन केवल साफ मौसम की स्थिति में।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटू रोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटू रोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।